भारत सरकार

रेल मंत्रालय

लोक सभा

05.08.2026 के

अतारांकित प्रश्न सं. 2955 का उत्तर

एबीएसएस के तहत केरल में रेलवे स्टेशनों का आधुनिकीकरण

2955. श्री राजमोहन उन्नीथन:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) अमृत भारत स्टेशन योजना (एबीएसएस) के अंतर्गत पुनर्विकास के लिए चुने गए केरल के रेलवे स्टेशनों का ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या उत्तरी केरल से अतिरिक्त स्टेशनों का प्रस्ताव किया गया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ग) स्वीकृत कार्यों की वर्तमान स्थिति का ब्यौरा क्या है और इसे पूरा करने की संभावित समय-सीमा क्या है?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (ग) रेल मंत्रालय ने दीर्घकालिक दृष्टिकोण के साथ रेलवे स्टेशनों के पुनर्विकास हेतु अमृत भारत स्टेशन योजना शुरू की है।

अब तक, इस योजना के अंतर्गत विकास के लिए 1,340 स्टेशनों को चिह्नित किया गया है, जिनमें 35 स्टेशन केरल में स्थित हैं। केरल में अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत विकास हेतु चिह्नित स्टेशनों के नाम निम्नानुसार हैं:

राज्य	स्टेशनों की संख्या	स्टेशनों के नाम
केरल	35	आलप्पुष़ा, अंगाडिप्पुरम, कालडि के लिए अंगमालि, चालक्कुडि, चंगनास्सेरी, चेंगन्नूर, चिरयिनकीझ, एर्नाकुलम, एर्नाकुलम टाउन,

		एट्टुमानूर, फेरोक, गुरुवायुर, कण्णूर, कासरगोड, कयनकुलम जं., कोल्लम जं., कोझिकोड, कुट्टिप्पुरम, मावेलिक्कारा, नेय्यातिनकरा, नीलांबुर रोड, ओट्टापालम, परप्पनांगडी, पैय्यनूर, पुनालूर, षोरणूर जं., थलस्सेरी, तिरुवनंतपुरम सेंट्रल, त्रिशूर, तिरूर, तिरुवल्ला, त्रिपुनिथुरा, वडकारा, वर्कला शिवगिरी, वडक्कनचेरी

<u>केरल के वे स्टेशन जहां कार्य पूरे किए जा चुके हैं:</u>

अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत रेलवे स्टेशनों पर विकास कार्य तीव्र गति से शुरू किए गए हैं। केरल में जिन स्टेशनों पर कार्य पूर्ण कर लिया गया है, उनका ब्यौरा निम्नानुसार है:

राज्य	स्टेशनों की संख्या	स्टेशनों के नाम
केरल	16	कालडि के लिए अंगमालि, चालक्कुडि, चंगनास्सेरी, चिरयिनकीझ, फेरोक, गुरुवायुर, कुट्टिप्पुरम, मावेलिक्करा, नीलांबुर रोड, परप्पनांगडी, षोरणूर जंक्शन, थलस्सेरी, तिरूर, त्रिपुनिथुरा, वडकारा, वडक्कनचेरी

अन्य स्टेशनों पर भी विकास गतिविधियां तीव्र गति से शुरू की गई हैं तथा कुछ स्टेशनों की प्रगति नीचे दी गई है:

- अंगाडिप्पुरम स्टेशन: स्टेशन भवन, नए प्रांगण, कॉनकोर्स, बुकिंग कार्यालय, प्लेटफार्म शेल्टर में सुधार, प्लेटफार्म संख्या 1 तथा 2 की प्लेटफार्म सतह में सुधार, प्रतीक्षालय, शौचालय, परिचलन क्षेत्र में सुधार, पार्किंग, पहुंच मार्ग, लिफ्ट, सवारी डिब्बा संकेतक बोर्ड, रेलगाड़ी संकेतक बोर्ड, तथा संकेतक की संस्थापना के कार्य पूर्ण किए जा चुके हैं। 6 मीटर चौड़े ऊपरी पैदल पुल का कार्य शुरू किया गया है।
- कासरगोड स्टेशनः स्टेशन भवन में सुधार, नए प्रवेश प्रांगण, बुकिंग कार्यालय तथा कॉनकोर्स में सुधार, प्लेटफार्म संख्या 2 तथा 3 की प्लेटफार्म सतह में सुधार, परिचलन

क्षेत्र में सुधार, प्रतीक्षालय, शौचालय, प्लेटफार्म शेल्टर, लिफ्ट सवारी डिब्बा संकेतक बोर्ड की संस्थापना तथा दिव्यांगजनों के लिए सुविधाओं में सुधार के कार्य पूर्ण किए जा चुके हैं। प्लेटफार्म संख्या 1 का विस्तार, 6 मीटर चौड़े ऊपरी पैदल पुल, एस्केलेटर तथा द्वितीय प्रवेश द्वार पर पार्किंग के कार्य शुरू कर दिए गए हैं।

- कोल्लम जंक्शन स्टेशन: सर्विस भवन, मल्टी लेवल कार पार्किंग तथा पार्सल भवन के कार्य पूर्ण किए जा चुके हैं। 12 मीटर चौड़े ऊपरी पैदल पुल, एयर कॉनकोर्स, उत्तरी टर्मिनल भवन, दक्षिणी टर्मिनल भवन तथा प्लेटफार्म उन्नयन के कार्य शुरू किए गए हैं।
- कोझिक्कोड स्टेशन: मल्टी लेवल कार पार्किंग- प्रथम एवं द्वितीय, पूर्वी टर्मिनल भवन, पश्चिमी टर्मिनल भवन, स्टाफ क्वार्टर, रेल स्वास्थ्य इकाई तथा रेल कार्यालय भवन के संरचनात्मक कार्य शुरू किए गए हैं।
- पय्यन्नूर स्टेशन: प्लेटफार्म संख्या 2 तथा 3 की ऊंचाई बढ़ाने, प्लेटफार्म शेल्टर, कॉनकोर्स में सुधार, बुकिंग कार्यालय, प्रतीक्षालय, द्वितीय प्रवेश द्वार पर परिचलन क्षेत्र में सुधार, पार्किंग, सवारी डिब्बा संकेतक बोर्ड तथा रेलगाड़ी संकेतक बोर्ड की संस्थापना के कार्य पूर्ण किए जा चुके हैं। स्टेशन भवन में सुधार, मुख्य प्रवेश द्वार पर परिचलन क्षेत्र में सुधार, दिव्यांगजनों के लिए सुविधाएं, 6 मीटर चौड़े ऊपरी पैदल पुल तथा लिफ्ट के कार्य शुरू किए गए हैं।

इसके अलावा, भारतीय रेल में रेलवे स्टेशनों का विकास/पुनर्विकास/उन्नयन/आधुनिकीकरण एक सतत और निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है और इस संबंध में निर्माण कार्यों की परस्पर प्राथमिकता और निधि की उपलब्धता के अध्यधीन, आवश्यकतानुसार कार्य शुरू किए जाते हैं। किसी स्टेशन का विकास/पुनर्विकास/उन्नयन/आधुनिकीकरण स्टेशन की कोटि/दशा/संभाले गए यातायात आदि के आधार पर किया जाता है।

अमृत भारत स्टेशन योजना में रेलवे स्टेशनों को बेहतर बनाने तथा उनका उन्नयन करने के लिए मास्टर प्लान तैयार करना और उनका चरणबद्ध रूप से कार्यान्वयन करना शामिल हैं। प्रत्येक स्टेशन की आवश्यकता को देखते हुए, मास्टर प्लान में निम्नलिखित शामिल हैं:

- रेलवे स्टेशन और परिचलन क्षेत्रों तक पहुँच में सुधार
- रेलवे स्टेशन का शहर के दोनों भागों के साथ एकीकरण
- स्टेशन भवन का सुधार
- प्रतीक्षालय, शौचालय, बैठक व्यवस्था, वाटर-बूथों में सुधार
- यात्री यातायात के अनुरूप चौड़े ऊपरी पैदल पुल/सबवे की व्यवस्था
- लिफ्ट/एस्केलेटर/रैम्प की व्यवस्था
- प्लेटफ़ॉर्म की सतह में सुधार/प्लेटफ़ॉर्म शेल्टर की व्यवस्था
- 'एक स्टेशन एक उत्पाद' जैसी योजनाओं के माध्यम से स्थानीय उत्पादों के लिए कियोस्क की व्यवस्था
- पार्किंग क्षेत्र का विकास
- दिव्यांगजनों के लिए सुविधाएँ
- बेहतर यात्री सूचना प्रणाली
- एयर कॉनकोर्स, एक्ज़ीक्यूटिव लाउंज, मल्टीमोडाल एकीकरण, भूसुदर्शनीकरण आदि।

इस योजना में आवश्यकतानुसार, चरणबद्ध रूप से एवं यथा व्यवहार्य दीर्घकालिक और पर्यावरण अनुकूल समाधान आदि और दीर्घावधि में स्टेशन पर सिटी सेन्टरों के निर्माण की भी परिकल्पना की गई है।

स्टेशनों का विकास/उन्नयन जटिल प्रकृति का होता है जिसमें यात्रियों और रेलगाड़ियों की संरक्षा शामिल होती है और इसके लिए पेड़ों की कटाई, धरोहर, दमकल विभाग की स्वीकृति,

विमानपत्तन स्वीकृति इत्यादि जैसी विभिन्न सांविधिक स्वीकृतियों की आवश्यकता होती है। ये स्टेशन लंबे समय परिचालन में हैं, इसलिए जनोपयोगी सेवाओं (जिनमें जल/सीवेज लाइन, ऑप्टिकल फाइबर केबल, गैस पाइपलाइन, विद्युत/सिगनल केबल इत्यादि शामिल हैं) को स्थानांतरित करना, अतिलंघन, यात्री संचलन को बाधित किए बिना रेलगाड़ियों का परिचालन, रेल पटरियों तथा उच्च वोल्टेज बिजली लाइनों के नजदीक किए जाने वाले कार्यों के कारण गति प्रतिबंध आदि जैसी ब्राउन फील्ड कार्य संबंधी चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है और ये कारक कार्य की प्रगति और समापन समय को प्रभावित करते हैं।

******